कौन बनेगा पास विद् ऑनर प्रश्नोत्तरी

भाग - (60) खण्ड - {119}

समग्र मुरलियों पर आधारित अधोलिखित प्रश्नों के सबसे उपयुक्त एक ही उत्तर का चयन करें..........

प्रश्न 1- यह झाड़ है, इनकी तीन ट्युब्स हैं। फिर उनसे वृद्धि होती जाती है।तीन ट्युब्स कौन सी हैं ?

A- ब्राह्मण, देवता, क्षत्रिय

B- ब्राह्मण, सुर्यवंशी, चंद्रवंशी

C- इस्लाम, बौद्ध, क्रिश्चियन

D- देवता, इस्लाम, बौद्ध

प्रश्न 2- आत्मा को सतोप्रधान बनाने के लिए क्या करें ?

A- अपने को आत्मा समझ बाबा को याद करने से तुम तमोप्रधान से सतोप्रधान बन जायेंगे।

B- अपने को आत्मा समझ बाप को याद करो, बैटरी को चार्ज करो तो तुम सतोप्रधान बनेंगे।

C- बाप बहुत सहज रास्ता बताते हैं - मुझे याद करो तो विकर्म विनाश होंगे। तुम चढ़ते-चढ़ते सतोप्रधान बन जायेगे।

D- अशरीरी बनने का अभ्यास करो,तो सतोप्रधान बनेंगे।

प्रश्न 3- सेवा का प्रत्यक्षफल है -

A- पुण्य

B- खुशी और शक्ति

C- आशीर्वाद

D- दुआएं और सन्तुष्टता

प्रश्न 4- बहुत खास बात कौन सी है ?

A- बाप को याद करने की।

B- थोड़ा भी याद करने से स्वर्ग में आ जायेंगे।

C- बाप की याद में है करामत।

D- आत्मिक स्थिति में रहने की।

प्रश्न 5- तुम ब्राह्मणों से ऊंच कोई है नहीं। ब्राह्मण ऊंच क्यों है ?

A- ज्ञान के कारण

B- तुम सवेरे अमीर बनते हो, इसलिए

C- हाइएस्ट बाप हमें एडाप्ट करते हैं।

D- हीरे जैसा जन्म है इसलिए

प्रश्न 6- अन्तर्मुखी वह है जो -

A- मुख से कुछ न बोलता हो।

B- व्यर्थ संकल्पों से मन का मौन रखता है।

C- रूहानी माशूक के मिलन में मग्न हो।

D- परमात्म लव में लीन है।

प्रश्न 7- संगमयुग में तुम्हारा सम्बन्ध-

A- बहन-भाई का सम्बन्ध

B- भाई-भाई का सम्बन्ध

C- एक बाप, दुसरा न कोई

D- हम भी आत्मा, तुम भी आत्मा

प्रश्न 8- सब कर्मबन्धनों से मुक्त होने का एक ही उपाय है -

A- याद न करने वाले देह-अभिमान में होंगे।

B- याद की यात्रा

C- कर्मातीत अवस्था

D- सर्व सम्बन्ध एक बाप से

प्रश्न 9- एकान्तवासी बनने के साथ-साथ क्या बनो ?

A- सच्चे आशिक बनो

B- एकनामी और एकानामी वाले बनो।

C- पूरा निश्चयबुद्धि होकर रहना है।

D- एकाग्रचित्त बनो।

प्रश्न 10- ज्ञान है -

A- अमृत

B- पढ़ाई

C- राजयोग

D- अंजन

प्रश्न 11- मनुष्यों में उत्तम पुरुष कौन है ?

A- ब्रम्हाबाबा

B- लक्ष्मी-नारायण

C- श्रीकृष्ण

D- ब्राह्मण

प्रश्न 12- कब सफलता स्वरूप बन जायेंगें ?

A- वफादार रहो तो

B- सदा हल्के बन बाप के नयनों में समाने पर

C- निगेटिव सोचने का रास्ता बंद कर दो तो

D- याद और सेवा साथ-साथ हो तो

प्रश्न 13- अब बाप कहते हैं दे दान तो छूटे ग्रहण। कौन सा दान -

A- व्यर्थ संकल्प और पुराने संस्कारों का

B- देह सहित देह के सभी धर्मों को छोड़ो

C- 5 विकारों का

D- तन-मन-धन का

प्रश्न 14- - हम पहले सतयुग में जाते हैं फिर कब से नीचे उतरते हैं ?

A- द्वापर युग से

B- त्रेतायुग से

C- सतयुग से जूँ मिसल

D- सतयुग अन्त से

प्रश्न 15- सतयुग अन्त में हमारी कितनी कला कम होती हैं ?

A- सतयुग में कोई कला कम नहीं होती

B- 2

C- 4

D- 8

प्रश्न 16- ईश्वरीय मत किस को मिलती है ?

A- सालिग्रामों को

B- अभी हम बच्चों को

C- प्रवृत्ति मार्ग वाले संन्यासी को

D- उपरोक्त सभी

भाग (60) खण्ड {119} के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1- *C.इस्लाम, बौद्ध, क्रिश्चियन*

यह झाड़ है, इनकी तीन ट्युब्स हैं फिर उनसे वृद्धि होती जाती है। *इस्लाम, बौद्ध, क्रिश्चियन।* और कोई यह नॉलेज दे न सके। अब बाप कहते हैं तुम अपने धर्म में आ जाओ।

उत्तर 2- *B.अपने को आत्मा समझ बाप को याद करो, बैटरी को चार्ज करो तो तुम सतोप्रधान बनेंगे*

बाप का डायरेक्शन मिलता है *अपने को आत्मा समझ बाप को याद करो, बैटरी को चार्ज करो* तो तुम सतोप्रधान विश्व के मालिक बन जायेंगे। टीचर तो सबको पढ़ाते हैं। स्टूडेन्ट में नम्बरवार पास होते हैं। नम्बरवार फिर कमाई करते हैं।

उत्तर 3- *B.खुशी और शक्ति*

सेवा का प्रत्यक्षफल - खुशी और शक्ति मिलती है। सेवा करते आत्माओं को बाप के वर्से का अधिकारी बना देना - यह पुण्य का काम है। जो पुण्य करता है उसको आशीर्वाद जरूर मिलती है। सभी आत्माओं के दिल में जो खुशी के संकल्प पैदा होते, वह शुभ संकल्प आशीर्वाद बन जाते हैं और भविष्य भी जमा हो जाता है इसलिए सदा अपने को सेवाधारी समझ सेवा का अविनाशी फल खुशी और शक्ति सदा लेते रहो।

उत्तर 4- *A.बाप को याद करने की*

बहुत खास बात है बाप को याद करने की। समझते हैं बाप को भूल जाते हैं, शिक्षा को भी भूल जाते हैं और याद की यात्रा को भी भूल जाते हैं। बाप को भूलने से ज्ञान भी भूल जाता है। मैं स्टूडेन्ट हूँ, यह भी भूल जाता है। याद तो तीनों पड़नी चाहिए। बाप को याद करे तो टीचर, सद्गुरू जरूर याद पड़ेंगे।

उत्तर 5- *C.हाइएस्ट बाप हमें एडाप्ट करते हैं*

हाइएस्ट बाप बच्चों को एडाप्ट करते हैं। जीते जी गोद में जाना वर्सा पाने के लिये, सो अभी ही होता है। तुम ऐसे बाप की गोद में आये हो जिससे तुमको वर्सा मिलता है। *तुम ब्राह्मणों से ऊंच कोई है नहीं।* सबका योग एक के साथ है। तुम्हारा आपस में भी कोई सम्बन्ध नहीं।

उत्तर 6- *B.व्यर्थ संकल्पों से मन का मौन रखता है*

स्लोगन:- *अन्तर्मुखी वह है जो व्यर्थ संकल्पों से मन का मौन रखता है।*

उत्तर 7- *C.एक बाप दूसरा ना कोई*

तुम्हारा आपस में भी कोई सम्बन्ध नहीं। बहन-भाई का सम्बन्ध भी गिरा देता है। सम्बन्ध एक से होना चाहिये। इस समय तुम्हारा सम्बन्ध सबसे छोटा है। *सिर्फ एक बाप से सर्व सम्बन्ध हैं। दूसरा कोई से भी तुम्हारा बुद्धि योग नहीं है, सिवाए एक के।*

उत्तर 8- *B.याद की यात्रा*

बाप जो सर्वशक्तिमान् बैटरी है उनसे पूरा योग लगाना है। उनकी बैटरी कभी ढीली नहीं होती। वह सतो, रजो, तमो में नहीं आते क्योंकि उनकी सदा कर्मातीत अवस्था है। तुम बच्चे कर्मबन्धन में आते हो। कितने कड़े बन्धन हैं। *इन कर्मबन्धनों से मुक्त होने का एक ही उपाय है - याद की यात्रा।*

उत्तर 9- *B.एकनामी और एकानामी वाले बनो*

स्लोगन:- *एकान्तवासी बनने के साथ-साथ एकनामी और एकानामी वाले बनो।*

उत्तर 10- *B.पढ़ाई*

अब तुम बच्चों को यह ज्ञान अमृत 5 हज़ार वर्ष के बाद मिलता है। *वास्तव में इसका अमृत नाम है नहीं। यह तो पढ़ाई है।* यह सब हैं भक्ति मार्ग के नाम। अमृत नाम सुनकर चित्रों में पानी दिखाया है। बाप कहते हैं मैं तुमको राजयोग सिखलाता हूँ। पढ़ाई से ही ऊंच पद मिलता है। सो भी मैं पढ़ाता हूँ।

उत्तर 11- *B.लक्ष्मी-नारायण*

तुम मीठे-मीठे बच्चों को मालूम है, उत्तम पुरुष बनाने के लिए अर्थात् मनुष्य को उत्तम देवता बनाने के लिए बाप आकर पढ़ाते हैं। *मनुष्यों में उत्तम पुरुष ये देवतायें (लक्ष्मी-नारायण) हैं।* मनुष्यों को देवता बनाया इस संगमयुग पर। देवतायें जरूर सतयुग में ही होते हैं। बाकी सब हैं कलियुग में।

उत्तर 12- *C.नेगेटिव सोचने का रास्ता बंद कर दो तो*

स्लोगन:- *निगेटिव सोचने का रास्ता बंद कर दो तो सफलता स्वरूप बन जायेंगे।*

उत्तर 13- C. *5 विकारों का*

चन्द्रमा को ग्रहण लगता है। कलायें कम होने लगती हैं फिर धीरे-धीरे कलायें बढ़ती हैं तो 16 कला होता है। वह है अल्पकाल की बात। यह तो है बेहद की बात। इस समय सभी पर राहू का ग्रहण है। बाप ने समझाया है कि 5 विकार पुरुष में, 5 विकार स्त्री में हैं। *ग्रहण से मुक्त होने के लिए 5 विकारों का दान देना है।*

उत्तर 14- *C.सतयुग से जूं मिसल*

मनुष्यों को भक्ति का नशा कितना है। भक्ति का राज्य है ना। अभी होता है ज्ञान का राज्य। फ़र्क हो जाता है। बच्चे जानते हैं बरोबर ज्ञान से बहुत सुख होता है। फिर भक्ति से

सीढ़ी नीचे उतरते हैं। *हम पहले सतयुग में जाते हैं फिर जूँ मिसल नीचे उतरते हैं।*

उत्तर 15- *B. 2*

हम पहले सतयुग में जाते हैं फिर जूँ मिसल नीचे उतरते हैं। *1250 वर्ष में दो कला कम होती हैं।* चन्द्रमा का मिसाल है। चन्द्रमा को ग्रहण लगता है। कलायें कम होने लगती हैं फिर धीरे-धीरे कलायें बढ़ती हैं तो 16 कला होता है।

उत्तर 16- *D.उपरोक्त सभी*

शिव भगवानुवाच अपने सालिग्रामों प्रति। तुम हो प्रवृत्ति मार्ग वाले संन्यासी। अभी तुम बच्चों को ईश्वरीय मत मिल रही है, जिसको राम मत कहा जाता है। दूसरे फिर हैं रावण मत पर। ईश्वरीय मत और आसुरी मत। ईश्वरीय मत आधाकल्प चलती है। बाप ईश्वरीय मत देकर तुमको देवता बना देते हैं फिर सतयुग-त्रेता में वही मत चलती है।

कौन बनेगा पास विद् ऑनर प्रश्नोत्तरी

भाग - (60) खण्ड - {120}

प्रश्न 1- पहला जन्म सुख का किस का होता है ?

A- देवी-देवता का

B- पहला जन्म द्वापर युग में लेने वालों का

C- इस्लाम बौद्ध धर्म मर्म में पहला जन्म लेने वालों का

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 2- बेहद में टिकने के लिए क्या ध्यान पर रहे ?

A- ड्रामा में हर आत्मा का अपना-अपना पार्ट है।

B- अब विनाश होना है, हमें वापिस घर जाना है, पावन बन करके ही हम घर जायेंगे।

C- स्वदर्शन चक्र पर।

D- यह सच्चा-सच्चा सत का संग है ऊपर चढ़ने का।

प्रश्न 3- रुद्र माला के बारे में कौन सा कथन सत्य है ?

A- गाई जाती है,

B- पूजी जाती है,

C- सिमरण की जाती है,

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 4- बुद्धियोग निकाल सतोप्रधान बनने के लिए बाप को याद करने की मेहनत करते रहो। मेहनत किससे करनी है ?

A- चारों तरफ से

B- देह के सब सम्बन्धों से

C- जन्म-जन्मान्तर जो कुछ किया है, जो सामने आता रहता है,उससे।

D- पुरानी दुनिया से

प्रश्न 5- दुआयें लो, दुआयें दो तो -

A- सदा एकरस, एक श्रेष्ठ स्थिति बनेगी।

B- बहुत जल्दी मायाजीत बन जायेंगे।

C- धर्मराज की सजाओं से छूटेंगे।

D- भाग्य का दरवाजा खुल जायेगा।

प्रश्न 6- भाई-भाई समझो, यह बहुत प्रैक्टिस करनी है। भाई का निवास कहाँ है ?

A- अकाल तख्त पर

B- परमधाम

C- शरीर पर

D- भाई का घर

प्रश्न 7- निराकार पर दूध आदि चढ़ायेंगे,वास्तव में वह क्या है ?

A- लिंग के ऊपर जाकर लोटी चढ़ाते हैं।

B- दूध आदि जो चढ़ाते हो वह तुम ही पीते हो, भोग आदि भी तुम ही खाते हो। यहाँ तो मैं सम्पुख हूँ ना। आगे इनडायरेक्ट करते थे, अभी तो डायरेक्ट है।

C- शुद्ध संकल्प की निशानी है।

D- आत्मा की पवित्रता का प्रतीक है।

प्रश्न 8- सुबह को उठकर तुम बुद्धि में क्या रखो ?

A- अब हमने 84 का चक्र पूरा किया है, अब वापिस जाना है।

B- हम लक्की सितारे है।

C- हम आत्मा हैं।

D- मैं अवतरित आत्मा हूं।

प्रश्न 9- गाया जाता है सूर्य, चांद और लकी सितारे। हम सितारे हैं तो चांद कौन है ?

A- शिवबाबा

B- मम्मा

C- ब्रम्हाबाबा

D- चन्द्रवंशी

प्रश्न 10- जब तक कर्म, अकर्म नहीं बनते हैं। तब तक खुशी स्थाई नहीं रह सकती है । अकर्म अर्थात्-

A- पुण्य कर्म करना।

B- आत्मा समझ कर्म करना।

C- वह कर्म जिसमें पाप और पुण्य का फल न हो।

D- बाप की याद में किया गया कर्म।

प्रश्न 11- सेवा की गति कब फास्ट हो जायेगी ?

A- परमात्म स्नेही बनो तो

B- साइलेन्स की शक्ति इमर्ज करो तो

C- विशेषता वा गुण पर ध्यान दो तो

D- याद और सेवा का बैलेंस हो तो

प्रश्न 12- शुरू से भक्ति किसने की है ?

A- पहले-पहले हम आये तो

B- द्वापर शुरू से आने वालों ने

C- संन्यासी धर्म वालों ने

D- धर्म स्थापको ने

प्रश्न 13- बच्चों को पुरूषार्थ इतना करना है ?

A- ऊंच पद मिल जाय

B- जो अन्त में बाप की ही याद हो

C- जो अन्त में बाप की ही याद हो और स्वदर्शन चक्र भी याद हो, तब प्राण तन से निकलें।

D- एक सेकण्ड में फुल स्टॉप लग जाये।

प्रश्न 14- किस के सब दु ख दूर हो जाते हैं। सज़ाओं से छूट जाते हैं ?

A- योगी आत्मा के

B- कर्मातीत अवस्था वाले के

C- देही-अभिमानी अवस्था वाले के

D- सर्व सम्बन्ध एक बाप से रखने वाले के

प्रश्न 15- कड़े ते कड़ी बीमारी है -

A- किसी के नाम रूप में फॅंसना,

B- देह-अभिमान

C- काम विकार

D- मोह

प्रश्न 16- सारी दुनिया की मांग क्या है ?

A- शान्ति और सुख मिले।

B- शान्ति और खुशी मिले।

C- हेल्द ,वेल्थ और खुशी मिले।

D- शान्ति स्थापन हो जाये।

भाग (60) खण्ड {120} के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1- *D.उपरोक्त सभी*

हर एक आत्मा का हक है बाप से बर्थ राइट लेने का। कल्प-कल्प लेते भी जरूर हैं। तुम वर्सा लेते हो जीवनमुक्ति का। *जिनको मुक्ति का वर्सा मिलता है वह भी जीवनमुक्ति में आते जरूर हैं। पहला जन्म तो सुख का ही होता है।*

उत्तर 2- *B.अब विनाश होना है,हमें वापिस घर जाना है,पावन बन करके ही हम घर जाऐंगे*

वर्ल्ड की हिस्ट्री-जॉग्राफी रिपीट होनी है। यह बात बुद्धि में अच्छी तरह आ जाये तो बेहद में टिक सकते हो। *बेहद में

टिकने के लिए ध्यान पर रहे कि अब विनाश होना है, हमें वापिस घर जाना है, पावन बन करके ही हम घर जायेंगे।*

उत्तर 3- *D.उपरोक्त सभी*

यह भारत के लिए ही योग है। बाप आते भी भारत में हैं। भारतवासियों को ही याद की यात्रा सिखलाकर पावन बनाते हैं और नॉलेज भी देते हैं कि यह सृष्टि का चक्र कैसे फिरता है, यह भी बच्चे जानते हैं। *रुद्र माला भी है जो गाई और पूजी जाती है, सिमरण की जाती है।*

उत्तर 4- *C.जन्म-जन्मान्तर जो कुछ किया है,जो सामने आता रहता है,उससे*

जन्म-जन्मान्तर जो कुछ किया है, जो सामने आता रहता है, उन सबसे बुद्धियोग निकाल सतोप्रधान बनने के लिए बाप को याद करने की मेहनत करते रहो। चारों तरफ से बुद्धि हटाए अन्तर्मुखी बन बाप को याद करो।

उत्तर 5 - *B.बहुत जल्दी मायाजीत बन जायेंगे*

स्लोगन:- *दुआयें लो, दुआयें दो तो बहुत जल्दी मायाजीत बन जायेंगे।*

उत्तर 6- A.अकाल तख़्त पर

भाई-भाई समझो, यह बहुत प्रैक्टिस करनी है। भाई का निवास कहाँ है? इस तख्त पर अकाल आत्मा रहती है। यह तख्त सभी आत्माओं के सड़ गये हैं। सबसे जास्ती तुम्हारा तख्त सड़ गया है। आत्मा इस तख्त पर विराजमान होती है।

उत्तर 7 - *B.दूध आदि जो चढ़ाते हो वह तुम ही पीते हो, भोग आदि भी तुम ही खाते हो। यहाँ तो मैं सम्मुख हूँ ना। आगे इनडायरेक्ट करते थे, अभी तो डायरेक्ट है*

अब बाप तो है निराकार। निराकार के ऊपर लोटी चढ़ायेंगे, वह क्या करेंगे! साकार हो तो स्वीकार भी करे। *निराकार पर दूध आदि चढ़ायेंगे, वह क्या करेंगे! बाप कहते

हैं दूध आदि जो चढ़ाते हो वह तुम ही पीते हो, भोग आदि भी तुम ही खाते हो। यहाँ तो मैं सम्मुख हूँ ना। आगे इनडायरेक्ट करते थे, अभी तो डायरेक्ट है*, नीचे आकर पार्ट बजा रहे हैं।

उत्तर 8 - *A.अब हमने 84 का चक्र पूरा किया है, अब वापिस जाना है*

रचयिता और रचना के आदि-मध्य-अन्त को कोई भी नहीं जानते हैं। तुम जानते हो सो भी नम्बरवार पुरूषार्थ अनुसार। *सुबह को उठकर तुम बुद्धि में यही रखो - अब हमने 84 का चक्र पूरा किया है, अब वापिस जाना है* इसलिए अब बाप को याद करना है तो तुम चक्रवर्ती बनेंगे।

उत्तर 9 - *C.ब्रह्मा बाबा*

तुम सब सितारे हो। सब सितारों का बाप भी चाहिए ना। *गाया जाता है सूर्य, चांद और लकी सितारे। तुम बच्चे हो मोस्ट लकी सितारे और चांद है ये ब्रह्मा*

उत्तर 10- *C.वह कर्म जिसमें पाप और पुण्य का फल न हो*

याद के समय बुद्धि भटकती है, स्थिर बुद्धि न होने कारण खुशी नहीं रह सकती। माया के तूफान दीपकों को हैरान कर देते हैं। *जब तक कर्म, अकर्म नहीं बनते हैं तब तक खुशी स्थाई नहीं रह सकती है | अकर्म अर्थात वह कर्म जिसमे पाप और पुण्य का फल न हो*

उत्तर 11 - *B.साइलेंस की शक्ति इमर्ज करो तो*

स्लोगन:- *साइलेन्स की शक्ति इमर्ज करो तो सेवा की गति फास्ट हो जायेगी।*

उत्तर 12- *A.पहले पहले हम आये तो*

भक्ति और ज्ञान में रात-दिन का फ़र्क है। *शुरू से भक्ति किसने की है? तुम कहेंगे पहले-पहले हम आये तो बहुत सुख देखा* फिर हम भक्ति करने लगे। पूज्य और पुजारी में कितना रात-दिन का फ़र्क है।

उत्तर 13 - *C.जो अन्त में बाप की ही याद हो और स्वदर्शन चक्र भी याद हो, तब प्राण तन से निकलें।*

बच्चों को पुरूषार्थ इतना करना है जो अन्त में बाप की ही याद हो और स्वदर्शन चक्र भी याद हो, तब प्राण तन से निकलें। तब ही चक्रवर्ती राजा बन सकेंगे। ऐसे नहीं, पिछाड़ी में याद कर सकेंगे, उस समय ऐसी अवस्था हो जायेगी।

उत्तर 14- *B.कर्मातीत अवस्था वाले के*

जांच करो - हमसे कोई विकर्म तो नहीं होता है? बेकायदे चलन तो नहीं होती है? बहुतों से होती है। वह अन्त में बहुत सज़ा के भागी बनेंगे। भल अभी कर्मातीत अवस्था नहीं हुई है। *कर्मातीत अवस्था वाले के सब दु:ख दूर हो जाते हैं। सज़ाओं से छूट जाते हैं*

उत्तर 15 - *A.किसी के नाम रूप में फंसना*

“मीठे बच्चे - *कड़े ते कड़ी बीमारी है किसी के नाम रूप में फँसना* अन्तर्मुखी बन इस बीमारी की जांच करो और इससे मुक्त बनो''

उत्तर 16 - *A.शान्ति और सुख मिले*

सारी दुनिया की मांग है शान्ति और सुख मिले। सभी बच्चों की पुकार सुनकर बाप आते हैं। बाबा बेहद का है इसलिए उसे बहुत फुरना है कि मेरे बच्चे कैसे दु:खी से सुखी बनें।